RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष–16 | अंक 4 | मार्च 2020 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

विद्या भारती की अखिल भारतीय प्रचार विभाग की बैठक

विद्या भारती की प्रचार विभाग की दो दिवसीय अखिल भारतीय बैठक दिनांक 01 से 02 फरवरी 2020 को सरस्वती कुंज निराला नगर, लखनऊ (उ.प्र.) में आयोजित हुई। इस बैठक के उद्घाटन अवसर पर श्री अवनीश भटनागर (अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती) ने अपने विचार रखते हुए कहा कि समाज हमारे अच्छे कार्यों को देखे और उसका अनुकरण करे, इस हेतु प्रचार विभाग की रचना की गई है। हमारा कार्य, कार्यक्रम, व्यक्ति या संगठन का प्रचार करना नहीं बल्कि विचार की स्थापना और समाज में परिवर्तन लाना है। शिक्षा के माध्यम से देशहित में सोचने वाले लोग हमारे विचारों से जुड़ने चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई हमारे विरोध में अपना विमर्श खड़ा करे उससे पहले हमारा विमर्श समाज तक पहुँच जाना चाहिए। लगातार हमारे विचाारों पर आक्रमण हो रहे हैं, हमें इन वैचारिक आक्रमणों को पहचानना है और बचाव के लिए जागरुक रहना और स्वाध्याय करना है।

बैठक में विशेष अतिथि के रूप में श्री जे. नंदकुमार जी (अखिल भारतीय संगठन मंत्री, प्रज्ञा प्रवाह) 'मंत्रविप्लव:' नाम से विषय रखा। यह विषय रखते हुए उन्होंने कहा कि भारत केन्द्रित शिक्षा द्वारा समाज परिवर्तन करके राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने की आवश्यकता है। प्रचार का कार्य मीडिया से जुड़ा कार्य है। मीडिया में कोई भी कंटेंट भेजते समय हमें चार बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए– ABCD Accuracy, Brevity, Clarity & Direction.

श्री जे. नंदकुमार जी ने बताया कि कुछ देश विरोधी ताकतें भारत की अखंडता को समाप्त करने का कार्य कर रही है और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वे लगातार एकत्रित होकर कटु घात कर रही है। आज के नए युग में इंटरनेट युद्ध का स्थान है। वैचारिक युद्ध के नियम और उपकरण बदल गए हैं। गलत सूचना के प्रभाव की वजह से यह राष्ट्र विरोधी पारितंत्र हमारे घर तक में घुस गया है। इसे समझने व इसे घर से निकलने की आवश्यकता है।

बैठक में श्री यतीन्द्र कुमार जी शर्मा (अ.भा. सह संगठन मंत्री) ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए कहा कि समाचार एकत्र करना, सम्पादित करना एवं संप्रेषण करना, प्रांत कार्यालय में प्रचार विभाग का सेटअप कैसे करें। उन्होंने कंटेट निर्माण, निर्माण तकनीक, कंटेंट संप्रेषण, सोशल मीडिया पर सहभागिता, कहानी लेखन आदि पर विस्तृत रूप से चर्चा की। सोशल मीडिया व कहानी लेखन पर प्रायोगिक सत्र में अभ्यास कराया गया। सभी को बताया गया कि Content Dissemination के लिए प्रांत से विद्यालय तक Closed group बनाने हैं।

इस अवसर पर श्री सुधाकर रेड्डी (अखिल भारतीय प्रचार प्रभारी विद्या भारती) ने वृत्त कथन के सत्र में सभी का मार्गदर्शन किया। श्री विजय मारू ने केन्द्रीय संवाद केंद्र, दिल्ली में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी एवं प्रांत से चयनित समाचारों को केंद्र में भेजने के बारे बताया। विभिन्न सत्रों में श्री सौरभ मिश्रा, श्री रवि कुमार, श्री दिवाकर अवस्थी, श्री नरेन्द्र सिंह का उद्बोधन भी सभी को प्राप्त हुआ।

बैठक में प्रत्येक प्रांत से प्रचार प्रमुख, संवाददाता एवं सोशल मीडिया के प्रमुख उपस्थित हुए। देश के 28 प्रांतों से 79 कार्यकर्ता प्रचार विभाग की इस बैठक में सहभागी हुए।

सर्वहितकारी ने किया चौथा एन.आर.आई. सम्मेलन

सर्वहितकारी शिक्षा समिति द्वारा सरहदी क्षेत्रों में चलाए जा रहे शिक्षा सेवा अभियान में सक्रिय सहयोग देने के साथ सर्वहितकारी शिक्षा समिति का श्री गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को समर्पित चौथा एन.आर.आई. सम्मेलन सम्पन्न हुआ। यह सम्मेलन सर्वहितकारी शिक्षा समिति के मुख्यालय पंजाब के विद्याधाम जालंधर के डॉ. अम्बेडकर सभागार में दिनांक 15 फरवरी 2020 को सम्पन्न हुआ जिसमें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एन.आर.आई. और विद्वानों ने भाग लिया।

इस सम्मेलन के उद्घाटन में पंजाब के प्रमुख समाजसेवी और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले श्री उमेन्द्र दत्त ने कहा कि खेती को खुराक से, खुराक को विद्यार्थियों और स्वास्थ्य से जोड़ना है। इसके लिए उन्होंने सर्वहितकारी शिक्षा समिति से अपने विद्यार्थियों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब प्रांत ने हरित क्रांति के बाद देश के अन्न भण्डार तो भर दिए किन्तु इसकी बहुत बड़ी कीमत भी चुकानी पड़ी। इस हरित क्रांति के कारण जमीन से इतना अधिक पानी निकाला जा चुका है कि आज पंजाब के अधिकतर हिस्सों में जमीन के अन्दर जल सतह चिन्ताजनक स्तर तक घट चुका है। इसके लिए अगर हम सभी चिंता नहीं की तो आगे आने वाले समय में हम पानी की बूंद-बूंद के लिए तरसेंगे।

सम्मेलन में आए मुख्य वक्ता व मार्गदर्शक के रूप में विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिवकुमार जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी शिक्षा की ओर उतना ध्यान नहीं दिया गया जितना कि आवश्यकता थी। हमारी शिक्षा व्यवस्था पहले वाली ही चलती रही। स्वतंत्रता के बाद शिक्षा व्यवस्था का तंत्र और विचार स्वदेशी होना चाहिए था परन्तु तत्कालीन शासकों ने इस ओर ध्यान देने की तरूरत ही नहीं समझी। अपने देश के बालकों में देश के महापुरुषों और परम्पराओं के प्रति श्रद्धा व स्वाभिमान पैदा हो, इस उद्देश्य को लेकर सन 1952 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पहला सरस्वती विद्या मंदिर प्रारम्भ किया गया। हमारी कार्य पद्धति से देश के लोग बहुत प्रभावित हुए और जन सामान्य ने इस कार्य को हृदय से स्वीकार किया जिसके फलस्वरूप यह कार्य धीरे-धीरे बढ़ता रहा और देश के सभी प्रांतों में विस्तार हुआ। सन् 1977 में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की स्थापना हुई। सन् 1952 में जो कार्य एक बीज के रूप में था आज वह एक वट वृक्ष का रूप धारण कर चुका है। विद्या भारती द्वारा आज संपूर्ण देश में 13 हजार औपचारिक और 15 हजार अनौपचारिक शिक्षण संस्थानों का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। पंजाब में भी 127 औपचारिक और 377 अनौपचारिक विद्यालय चल रहे हैं।

इस चौथे एन.आर.आई. सम्मेलन के संचालक श्री मनोज जी ने बताया कि पंजाब के अनिवासी भारतीयों को शिक्षा सेवा से जोड़ने के लिए सर्वहितकारी शिक्षा समिति ने पिछले तीन वर्षों से यह प्रयास जारी है। यह चौथा सम्मेलन है। इस प्रयास के परिणामस्वरूप 10 से अधिक अनिवासी भारतीय पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा सेवा से जुड़े हैं। सम्मेलन में 35 देशों के 80 अनिवासी भारतीयों ने भाग लिया। सभी ने शिक्षा सेवा के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए इसके साथ जुड़ने का संकल्प लिया। सम्मेलन में विद्या मंदिरों के विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कला-कृतियों और गिद्दा नृत्य का प्रदर्शन बहुत ही प्रशंसनीय रहा। सम्मेलन में समिति के अध्यक्ष, महामंत्री, प्रांत प्रचारक सहित शहर के कई मंत्री एवं पूर्व शासकीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

अखिल भारतीय आचार्य निबंध प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित अखिल भारतीय आचार्य निबंध प्रतियोगिता का परिणाम 03 मार्च 2020 को घोषित किया गया है। यह प्रतियोगिता संपूर्ण देश में विद्या भारती के विद्यालयों के अध्यापक-अध्यापिकाओं के लिए प्रतिवर्ष संस्कृति शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में प्रांतीय समितियों के द्वारा आयोजित की जाती है। जिसमें श्रेष्ठ निबंधों को चुनकर प्रांतीय निर्णायक मंडल द्वारा राष्ट्रीय कार्यालय विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र भेजा जाता है। इस वर्ष भी आयोजित हुए निबंध प्रतियोगिता के प्राप्त 226 निबंधों में से संस्थान के केन्द्रीय निर्णायक मंडल द्वारा 11 श्रेष्ठ निबंधों का चयन किया गया है जिनमें प्रथम से लेकर पंचम स्थान एवं अन्य 09 निबंधों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

संस्थान के निदेशक श्री रामेन्द्र सिंह ने बताया कि 'राष्ट्र प्रथम' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, केशव नगर, लखपेड़ा बाग, बाराबंकी (उ.प्र.) के अशोक कुमार मिश्र एवं सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, रामबाग, मोहल्ला महरी खवां, बस्ती (उ.प्र.) की प्रतिमा सिंह को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार सरस्वती बालिका विद्यालय, सूरजकुंड, गोरखपुर (उ.प्र.) की संध्या श्रीवास्तव को, तृतीय पुरस्कार सरस्वती उच्च माध्यमिक विद्यालय आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) की वंदना सोनी को, चतुर्थ पुरस्कार सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवाजीनगर, भोपाल (म.प्र.) की श्रीमती प्रतिमा पांडे को एवं पंचम पुरस्कार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, राजाजीपुरम, लखनऊ (उ.प्र.) की श्रीमती प्रियंका तिवारी को दिया गया।

इसके अतिरिक्त सरस्वती शिशु मंदिर नैनीताल मार्ग, इज्जत नगर, बरेली (उ.प्र.) के श्री संजीव कुमार उपाध्याय, श्री चंदन सिंह यादव सरस्वती शिशु मंदिर, सदर बाजार, मथुरा के ब्रजेशचन्द्र, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, साहूकारा, पीलीभीत (उ.प्र.) की श्रीमती अनामिका दीक्षित, आनंदराम ढ़ांढ़नियाँ सरस्वती विद्या मंदिर, बूढ़ानाथ रोड, भागलपुर (बिहार) के श्री विश्वबंधु उपाध्याय, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, कादीपुर, सुलतानपुर (उ.प्र.) की श्रीमती रेखा सिंह, बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नहटौर, बिजनौर (उ.प्र.) के श्री खिलेन्द्र सिंह, सरस्वती विद्या मंदिर उ. मा. आवासीय विद्यालय, शारदा विहार, केरवा डैम रोड, भोपाल (म.प्र.) के डॉ. अजीत भारती, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उ. मा. विद्यालय अंदरकिला, विदिशा (म.प्र.) की श्रीमती कीर्ति दीक्षित, राव मेहरचंद सरस्वती विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय, भलस्वा डेरी, गुरुनानक नगर, दिल्ली के श्री भुवनचन्द्र को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दोनों विजेताओं को 5100 रुपये, द्वितीय को 3100 रुपये, तृतीय को 2500 रुपये, चतुर्थ को 2100 रुपये, पंचम को 1500 रुपये तथा सांत्वना पुरस्कार सभी विजेताओं को 1100 रुपये प्रदान किए गए।

प्रधानाचार्य सामाजिक परिवर्तन का वाहक होता है

'विद्या भारती का कार्य समाज में भारतीय संस्कृति को प्रतिस्थापित करना है। इसके लिए प्रधानाचार्य के अन्दर सामाजिक समरसता का भाव होना आवश्यक है। वह विद्यालय, छात्र, अभिभावक, समिति, समाज एवं राष्ट्र का दीप स्तम्भ होता है। वह अपने आचरण और व्यवहार से समाज में चेतना जागृत कर राष्ट्रभक्ति का भाव भरता है।' यह बातें दिनांक 29 फरवरी 2020 को भारती शिक्षा समिति, बिहार द्वारा आयोजित चार दिवसीय प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन के समापन सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक राणा प्रताप ने मुख्य वक्ता के रूप में कहीं। आगे उन्होंने कहा कि आज समाज को चाणक्य जैसे गुरु की आवश्यकता है जो चन्द्रगुप्त जैसे शिष्य का निर्माण कर समाज में व्याप्त कुरीतियों का अंत कर सके।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पिछले वर्ष के कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आगामी सत्र में किए जाने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा तैयार कर उसे विद्यालयों में क्रियान्वित करना है, जिससे बालकों का सर्वांगीण विकास हो सके। इस सम्मेलन में उपस्थित प्रतिभागियों को मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक मान. रामदत्त चक्रधर, प्रांत प्रचारक मान. राणा प्रताप सिंह, विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री दिलीप बेतकेकर, सह संगठन मंत्री श्री गोविन्दचन्द्र मोहंती, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इनके अतिरिक्त इन चार दिनों में राष्ट्रीय सह मंत्री श्री कमल किशोर सिन्हा, प्रदेश सचिव श्री नकुलकुमार शर्मा, प्रदेश सह सचिव श्री अजय कुमार तिवारी सहित कई पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्रधानाचार्यों को प्राप्त हुआ।

विद्या भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय दिलीप बेतकेकर जी ने प्रधानाचार्यों को कुछ गतिविधियों एवं लघुकथा के माध्यम से 21वीं सदी के प्रधानाचार्यों को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि केवल परिस्थिति का रोना रोकर नहीं बैठना चाहिए बल्कि यदि हमारी मन:स्थिति ठीक रहे तो हम कुछ भी कर सकते हैं। वास्तव में हमें अपनी क्षमता को पहचानना होगा।

इस समापन समारोह में उपस्थित प्रधानाचार्यों को सम्बोधित करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं विद्या भारती के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री रमेन्द्र राय ने कहा कि प्रधानाचार्य भारतीय संस्कृति के राजदूत हैं जो भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता को समाज में प्रतिस्थापित करने का कार्य करते हैं।

इस सम्मेलन में सम्पूर्ण उत्तर बिहार के 22 जिलों से 185 प्रधानाचार्य उपस्थित हुए जिसमें 17 महिला प्रधानाचार्य थीं। सभी 8 विभाग के निरीक्षक एवं व्यवस्थापक एवं भारती शिक्षा समिति, के प्रदेश सचिव श्री गोपेशकुमार घोष, सह सचिव श्री प्रकाशचन्द्र जायसवाल एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भारती शिक्षा समिति के द्वारा वर्ष भर में प्रांतीय स्तर पर आयोजित विभिन्न विषयों की प्रतियोगिताओं का परिणाम घोषित किया गया और सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

Educational work-shops organized by Shishu Shiksha Samiti, Assam

Shishu Shiksha Samiti, Assam - a familiar name in the field of school education in Assam which runs schools of vernacular medium naming after the great Vaishnavite saint Srimanta Sankardev as Sankardev Shishu Vidya Niketan. The samiti was established in the year 1979 with an Assamese medium primary school at Ambikagiri Nagar, Guwahati. Its popularity and acceptability is exhibited gradually with the rapid increase in the number of schools during last several years. At present 556 vernacular medium schools scattered throughout the Brahmaputra Valley and Karbi Anglong district. Among these schools 110 are established in tribal areas. For administrative reasons the entire area is divided into 8 (eight) Vibhags (divisions) and 53 Sankuls (zones).

As per records 1,66,011 students are being guided for their all round development like physical, mental, intellectual and spiritual by 8847 dedicated teachers. As a result of their hard work and dedication students shine in the merit list of HSLC examination conducted by SEBA every year. Smti Meghasri Borah of Sankardev Shishu

Niketan, Narayanpur in Lakhimpur district secured the first position in the HSLC examination, 2019.

To enhance the capability, improvement in the educational environment and imbibe the spirit of nationalism, the Samiti has organized quite a number of mega workshops on five basic subjects of Vidya Bharati viz. Physical, Yoga, Music, Sanskrit and Moral & Spiritual alongwith other subjects like Spoken English, Shishu Vatika (Play School), Vedic Mathematics, Girl Child Education, Sports, Rural Education, Sanskar Kendra, Science teaching, Tribal Education etc. in 91 different places among its 8 Vibhags on 8th and 9th February 2020. Teachers attending from almost all schools in the workshops enthusiastically reaped the benefit of those and expressed eagerness for such kinds of workshop in future also.

The Samiti has expressed sincere gratitude to all members of schools management committee, teachers, non teaching stuff, students, guardians and well wishers for extending their co-operation and support for successful holding of the workshop.

Krishna Chandra Gandhi Memorial Award ceremony inaugurated in Tripura

Krishna Chandra Gandhi Memorial Award ceremony was being organized in Muktadhara auditorium on 25th February, 2020. The programme was inaugurated with lightening of the lamp by the deputy Chief Minister of the state Sri Jishnu Debbarma along with the president of Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan, Sri Ramkrishna Rao and Shantikali Swami Chittaranjan Maharaj. The programme was enlightened with the gracious presence of the President of Vidya Bharati Purvottra Kshetra Dr. Jaykanta Sharma, Organizing Secretary of Sri Brahmmaji Rao, president of Purvottar Janajati Shiksha Samiti Sri Sada Datta, the torch bearer and ex-President of Purvottar Janajati Shiksha Samiti Sri Lungki Phungchu and the President of Vidya Bharati Shiksha Samiti, Tripura Dr. Sankar Roy.

As a mark of respect for him Krishna Chandra Gandhi Memorial Award was introduced to award every year an eminent social worker/educationist. In this regard on 25th of February Purvottar Janajati Shiksha Samiti organized the 'Krishna Chandra Gandhi Memorial Award, 2019' in Agartala which was being awarded to the spiritual leader of the state Swami Chittaranjan Debbarma for his dedicated social services for last several decades to the orphans of janajati.

In his speech Ramkrishna Rao, the president, Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan, said that Vidya Bharati has rendered a very valuable place in traditional Indian teaching policy.

Prof. Arunoday Saha, the Chairperson of higher education committee, Prof. Satdeo Podder, the Vice Chancellor of MBB University, Prof. M.K. Singh, the acting Vice Chancellor of Tripura Central University, Prof. P.S. Avadhani, Director of IIIT, Tripura, Prof. V.K. Agarwala, Chairman of Pollution Control Board, Dr. Pawan Tiwari, assistant organizing secretary of Vidya Bharati Purvottar Kshetra, Sri Nilmani Chakraborty, State co-ordinator of Vidya Bharati Shiksha Samiti, Tripura have graced the occasion with their presence.

The vote of thanks was delivered by Sri Manoj Nath, Secretary of Vidya Bharati Shiksha Samiti, Tripura. And the programme ended with Vande Mataram.

प्रांतीय प्रचार विभाग की बैठक सम्पन्न

'मनुष्य का सर्वांगीण विकास शिक्षा से ही संभव है। आज शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की भ्रांतियाँ उत्पन्न हो गई है। आवश्यकता है अभिभावकों तथा समाज तक शिक्षा के सही उद्देश्य को पहुँचाना।' उक्त बातें विद्या भारती की प्रचार विभाग के अधिकारी श्री विजय मारू ने दिनांक 06 फरवरी 2020 को विद्या विकास समिति झारखंड के प्रांतीय कार्यालय में आयोजित प्रचार विभाग की बैठक में कही। उन्होंने कहा कि आज विद्या भारती के पंचपदी शिक्षा पद्धति के माध्यम से शिक्षा, सेवा तथा स्वाबलंबन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य बहुत ही सराहनीय है। आज के परिवेश में विद्यालयों के माध्यम से बच्चों एवं अभिभावकों में राष्ट्रीय विचार एवं भारतीय जीवन पद्धति को अपनाने की आवश्यकता है। सरस्वती विद्या मंदिरों में यह कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। आवश्यकता है प्रचार विभाग के माध्यम से इसे समाज तक ले जाने की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्या विकास समिति के प्रदेश मंत्री श्री राम अवतार नारसरिया ने कहा कि हरेक युग में प्रचार तंत्र ने काम किया है। देवर्षि नारद तो इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। व्यक्ति के जन्म से लेकर अंत तक के सभी क्रियाकलापों का किसी न किसी रूप में प्रचार होता है। अत: हमें अपने सकारात्मक बातों का ही प्रचार करना चाहिए। वहीं प्रदेश सचिव श्री मुकेश नंदन ने कहा कि हम समाज के बीच अपने विद्यालयों के माध्यम से जो काम कर रहे हैं वह बहुत ही प्रशंसनीय है। हमारे द्वारा किए जा रहे कार्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक को लाभ पहुँचा रहा है।

प्रांत प्रचार प्रमुख श्री जितेन्द्र तिवारी ने विद्यालयों की गतिविधियों को सोशल मीडिया में अपलोड करते समय किस प्रकार की सावधानी बरतने की आवश्यकता है, इस पर प्रकाश डाला। समाज में हो रहे सोशल मीडिया का प्रयोग बच्चों एवं अभिभावकों के लिए कितना उपयोगी है इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर माइका एडुकोम के अनुराग राठौर, ऋषभ जैन एवं अरविंद पांडेय ने जानकारी दी। समाचार संकलन एवं प्रेषण के संबंध में प्रचार विभाग के प्रांतीय संवाददाता मनोज कुमार ने कार्यकर्ताओं को उपयोगी सलाह दिए। विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख अखिलेश कुमार ने कहा कि यह कार्य संकल्प लेकर करने से ही संभव है। इस अवसर पर प्रांत प्रचार टोली, विभाग प्रचार प्रमुख एवं विद्या भारती झारखंड के सभी संकुल प्रचार प्रमुख उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र सम्मान समारोह सम्पन्न

''यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हम किसी काम को शुरु कैसे करते हैं बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि हम किसी काम को समाप्त कैसे करते हैं। यहाँ समाप्ति का अर्थ यह है कि प्रत्येक काम की समाप्ति। काम समाप्त होने पर हमें आत्म-संतुष्टि होनी चाहिए। संतुष्ट व्यक्ति ही जीवन में सफलता प्राप्त करता है। हम दो चीजों से मिलकर बने हैं- शरीर और मन। शरीर की आवश्यकताएँ सीमित हैं और इसके लिए धन की आवश्यकता है। जैसे शरीर के लिए भोजन, आने जाने के लिए वाहन आदि का। परन्तु मन को असीमित मात्रा में और सदैव प्रेम, आदर, विश्वास आदि चाहिए। इसके धन की आवश्यकता नहीं है। आई.ए.एस., डॉक्टर, इंजीनियर बनना तो साधन मात्र हैं। जीवन का लक्ष्य तो आत्मसंतुष्टि और आनन्द प्राप्त करना ही है।'' यह वक्तव्य पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के पूर्व उप-कुलपति श्री रजनीश अरोड़ा ने सर्वहितकारी शिक्षा समिति के मेधावी छात्र सम्मान समारोह में दिए। इस दो दिवसीय शिविर में कुल छ: सत्रों में विद्यार्थियों से प्रेरणात्मक चर्चा विभिन्न विद्वानों द्वारा की गई।

उल्लेखनीय है कि यह परीक्षा शैक्षिक विभाग, सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब द्वारा 8वीं, 10वीं तथा 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों में शैक्षणिक विकास हेतु दो चरणों में गत तीन वर्षों से आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में सर्वहितकारी शिक्षा समिति के अंतर्गत चलने वाले 82 विद्या मंदिरों में परीक्षा का द्वितीय चरण 12 जनवरी 2020 को सम्पन्न हुआ।

इस चरण में 8वीं कक्षा में 282 छात्र, 10वीं कक्षा में 309 छात्र, 12वीं कक्षा के विज्ञान वर्ग में 41 छात्र एवं कॉमर्स ग्रूप में 159 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह परीक्षा 8वीं, 10वीं के लिए अँग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित विषयों में आयोजित की गई जबकि 12वीं कक्षा के लिए विज्ञान ग्रूप में भौतिकी, रसायण, जीव विज्ञान, गणित, 12वीं कॉमर्स ग्रूप में अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज, इकोनोमिक्स विषयों में करवाई गई। परीक्षा के उपरांत दयानंद पब्लिक स्कूल, पांडुसर नाभा में उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच लगभग 70 आचार्यों एवं प्रधानाचार्यों के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

परीक्षा के उपरांत प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को क्रमश: 5100/रुपये व 3100/रुपये तथा 60 छात्रों को 500/रुपये की नकद राशि पुरस्कार के रूप में दिया गया।

खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

विद्या भारती की प्रांतीय इकाई मालवा द्वारा दिनांक 15 जनवरी 2020 को माई मंगेशकर सभागृह इंदौर में प्रांतीय खेल प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्या भारती मालवा प्रांत के सरस्वती शिशु मंदिर के ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने विद्या भारती की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया एवं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की प्रतियोगिता में भी सहभागिता कर भारत सरकार की ओर से पदक प्राप्त किया है। इस आयोजन में ऐसे प्रतिभागियों के प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व लोकसभा अध्यक्षा श्रीमती सुमित्रा महाजन एवं विशेष अतिथि के रूप में इंदौर के लोकसभा सांसद श्री शंकर ललवानी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कमल किशोर चितलांग्या ने किया। विशेष अतिथि के रूप में भारत के मलखम्ब खेल में एकलव्य पुरस्कार विजेता श्रीमती यशोदा मदारिया मंचासीन रहे।

मुख्य अतिथि श्रीमती महाजन ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कोई भी खेल खेलते-खेलते ही अपनी मिट्‌टी से जुड़कर देश के लिए खेलने की प्रेरणा हमें मिलती है। श्रीमती महाजन ने खेल प्रतिभाओं को समाज और राष्ट्र के लिए नि:स्वार्थ भाव से निखारने के लिए विद्या भारती के उद्‌देश्य की प्रशंसा की।

इस अवसर पर प्रांतीय खेल प्रमुख श्री कैलाश जी धनगर ने कहा कि विद्या भारती के खिलाड़ियों ने खेल जगत में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी और विद्या भारती की पहचान बनाई है। भारतीय मुक्केबाजी दल में इसी प्रांत की सरस्वती विद्या मंदिर, खाचरौद की छात्रा सुश्री मंजू बंबोरिया चयनित होकर ओलम्पिक की ट्रायल में सम्मिलित हुई। एस.जी.एफ.आई. में इस प्रांत के 340 खिलाड़ियों ने सहभागिता की जिसमें 18 स्वर्ण, 09 रजत एवं 31 कांस्य पदक मिलाकर कुल 58 पदक प्राप्त कर चुके हैं। इन सभी को सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य हो कि विद्या भारती की छात्र-छात्राओं ने 44 खेलों में भाग लेकर एवं 367 मेडल प्राप्त कर विद्या भारती को देश में छठे स्थान पर पहुँचाया।

भारत सरकार के समाचार पत्रों के पंजीयन कार्यालय से सम्बंधित

फार्म-4 (नियम 8 के अंतर्गत जानकारी)

1.	प्रकाशन स्थल	:	प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, महात्मा गाँधी मार्ग, नेहरुनगर, नई दिल्ली - 110065
2.	पंजीयन क्रमांक, प्रकाशन अवधि	:	DELBIL/2005/15122, मासिक
3.	मुद्रक का नाम	:	डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी
4.	क्या भारत के नागरिक हैं?	:	हाँ
5.	मुद्रक का पता	:	प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, महात्मा गाँधी मार्ग, नेहरुनगर, नई दिल्ली - 110065
6.	प्रकाशक का नाम	:	डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी
7.	क्या भारत के नागरिक हैं?	:	हाँ
8.	प्रकाशक का पता	:	प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, महात्मा गाँधी मार्ग, नेहरुनगर, नई दिल्ली - 110065
9.	सम्पादक का नाम	:	डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी
10.	क्या भारत के नागरिक हैं?	:	हाँ
11.	सम्पादक का पता	:	प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, महात्मा गाँधी मार्ग, नेहरुनगर, नई दिल्ली - 110065
12.	उन व्यक्तियों या ट्रस्ट, सोसायटी का नाम व पता जो समाचार पत्र या पत्रिका के स्वामी हों तथा जो समस्त पूँजी के 1 प्रतिशत से अधिक के साझेदार हों।	:	प्रज्ञा सदन, जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, महात्मा गाँधी मार्ग, नेहरुनगर, नई दिल्ली - 110065

मैं डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार यह विवरण सत्य है।

डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी
प्रकाशक, विद्या भारती संकुल संवाद, मासिक पत्रिका

VIDYA BHARATI ALUMNI SELECTED AS SCIENTIST IN ISRO

Vidya Bharati congratulates Ramavatar Panwar for getting selected as scientist engineer in **Indian Space Research Organization.**

Ramavatar Panwar is an alumni of Sharda Bal Niketan, Higher Secondary School, Nagaur in Rajasthan.

VIDYA BHARATI STUDENT GETS 3RD POSITION KURASH CHAMPIONSHIP

Nisha Yadav, gains 3rd position in kurash Championship 2019-20, organized by Kurash Association of India. Kurash is a traditional folk wrestling sport, which is extremely popular in Central Asia.

Nisha Yadav, is an alumni of Ratanlal Phool Katori Sarswati Vidya Mandir Sr. Sec. School, Mathura in U.P.

विद्वत परिषद् द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०१९ कार्यवृत गोष्ठी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के लिए विद्वत परिषद द्वारा किए गए कार्य गोष्ठी सरस्वती शिशु मंदिर, नेहरु नगर, गाजियाबाद (उ.प्र.) में दिनांक 15 फरवरी 2020 को सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में डॉ. होशियार सिंह जी रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एल.आर. कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री एस.डी. कौशिक ने की। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर डॉ. कमलेश भारद्वाज (शम्भू दयाल डिग्री कॉलेज गाजियाबाद) ने किया। डॉ. प्रदीप कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय) ने आभार व्यक्त किया। उपरोक्त कार्यक्रम डॉ. प्रेमकुमार सिंह राणा (विद्वत परिषद, मेरठ) के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। करणीय कार्य के रूप में छात्र प्रवेश, छात्र शिक्षा, छात्र संस्कार, अध्यापक प्रशिक्षण आदि विषयों पर चर्चा हुई।

इसी क्रम में विद्वत परिषद् बुलन्दशहर द्वारा भी परिणामकारी शिक्षा विषय पर दिनांक 17 फरवरी 2020 को भी दुसरी गोष्ठी सम्पन्न हुई जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोदकुमार राजपूत (आई. पी. डिग्री कॉलेज, बुलन्दशहर), डॉ. सौरभ शर्मा (प्रधानाचार्य एस.बी.एम.टी. कॉलेज बुलन्दशहर) ने कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. कृष्णदेव वर्मा (ए. एस. कॉलेज लखावटी, बुलन्दशहर) ने की। यह गोष्ठी डॉ. प्रेमकुमार सिंह राणा (विद्वत परिषद-विद्याभारती, मेरठ प्रान्त) के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर एस.बी.एम.टी. कॉलेज के चेयरमैन डॉ. प्रशान्त गर्ग का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रांतीय विद्वत परिषद मेरठ द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर भी एक गोष्ठी सिकन्दराबाद, बुलंदशहर में आयोजित हुई। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. प्रेमकुमार सिंह राणा ने अपनी अभिव्यक्ति दी। इसमें पर्यावरण को शुद्ध रखने हेतु अनेक विषयों जैसे- जल, वायु, अग्नि, भूमि, वृक्ष, प्लास्टिक प्रबंधन आदि के अनेक प्रयोगात्मक पहलू एवं पर्यावरण के अनुकूल विषय पर चर्चा हुई।

आधारभूत सहित विभिन्न विषयों की प्रान्त टोली बैठक

विद्या भारती के आधारभूत विषयों के विवेचना हेतु प्रान्त टोली (मेरठ) की बैठक चार समूह में अलग-अलग दिवसों में दिनांक 27 फरवरी से 02 मार्च 2020 तक सम्पन्न हुई। प्रथम समूह में वैदिक गणित, विज्ञान, आई.सी.टी., प्रचार विभाग विषयों की टोली के 14 सदस्य सहभागी हुए। द्वितीय समूह में आधारभूत पाँच विषयों के 17 सहभागी उपस्थित रहे। तृतीय समूह में प्रशिक्षण, विद्वत परिषद, पूर्व छात्र परिषद, संस्कृति बोध परियोजना, क्रियाशोध विषयों के 21 बन्धु-बहिनों ने सहभागिता की। चतुर्थ समूह में सेवा क्षेत्र की शिक्षा, ग्रामीण शिक्षा, बालिका शिक्षा, शिशु वाटिका व प्रारम्भिक शिक्षा के कुल 22 बन्धु एवं बहिनें उपस्थित रहे।

प्रांतीय अधिवेशन - पूर्व छात्र परिषद्

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद मेरठ द्वारा बालेराम बृजभूषण सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, शास्त्रीनगर, मेरठ (उ.प्र.) में दिनांक 23 फरवरी 2020 को मेरठ में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 16 जिलों का पूर्व छात्र अधिवेशन सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में पूर्व छात्र परिषद् की 59 इकाइयों के 199 दायित्ववान पूर्वछात्रों सहित जिला प्रमुख, सह प्रमुख एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। इसमे पूर्व छात्र परिषद् की प्रथम प्रांतीय पत्रिका 'सृजना' का विमोचन भी हुआ।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री मान्यवर जे.एम. काशीपति जी ने सभी को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि पूर्व छात्रों को समाज की सेवा एवं देश की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य सिर्फ कार्यक्रम होकर ना रह जाए बल्कि उस कार्य से समाज में सकारात्मक परिवर्तन आना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल आजीविका का साधन न बनकर बल्कि व्यक्ति निर्माण में सहायक हो।

कार्यक्रम की प्रस्तावना और उद्देश्य के बारे में पूर्व छात्र परिषद के प्रांतीय मंत्री श्री राहुल सिंघल जी ने चर्चा की। प्रांत उपाध्यक्ष श्री तरुण बाटला जी ने विद्या भारती की एल्युमिनाई पोर्टल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अधिवेशन की अध्यक्षता कर रही पूर्व छात्र परिषद की प्रांतीय अध्यक्षा डॉ. शालिनी गुप्ता जी ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी का धन्यवाद किया। परिषद् की अध्यक्षा डॉ. शालिनी गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री तरुण बाटला एवं मंत्री श्री राहुल सिंहल अधिवेशन में उपस्थित रहे।

विद्या भारती की इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी का भूमि पूजन

कानपुर के रूमा जनपद स्थित विद्या भारती इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी का भूमि पूजन कार्यक्रम दिनांक 14 फरवरी 2020 को सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विद्या भारती के सह संगठन मंत्री माननीय यतीन्द्र जी शर्मा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कानपुर के प्रांत प्रचारक श्री संजय जी द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ इंटरनेशनल स्पोर्ट्स एकेडमी का भूमि पूजन किया गया।

विद्या भारती के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख श्री सौरभ मिश्र ने कहा कि आज हम जिस पावन और पुनीत कार्य को करने के लिए उपस्थित हुए हैं, वह निम्न आय वर्ग के बच्चों के लिए फलदायी साबित होगा। उन्होंने कहा कि विद्या भारती उन सभी खिलाड़ियों को मौका देगी जिनकी प्रतिभा संसाधनों के अभाव में दम तोड़ देती है या वे पीछे रह जाते हैं। 22 खेलों के मुख्य पृष्ठभूमि को बनाकर बनने वाला यह स्पोर्ट्स एकेडमी (स्टेडियम) अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगा।

माननीय यतीन्द्र जी शर्मा (राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री) ने बताया कि पूर्व सर संघचालक आदरणीय श्री रज्जू भैया ने बहुत पहले ही कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाओं के निर्माण के लिए एक प्रकल्प खड़ा होना चाहिए और उनका सपना आज साकार होता दिख रहा है। मेरा विश्वास है कि ईश्वर और आप सभी के सहयोग से जल्द ही यह प्रकल्प आकार लेगा और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति पाप्त करेगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कानपुर के प्रांत प्रचारक श्री संजय जी ने कहा कि कुछ ही वर्षों में यह स्पोर्ट्स एकेडमी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर तैयार होगी। इस एकेडमी की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि खेल दुर्घटनाओं का तत्काल इलाज यहाँ उपलब्ध रहेगा। इसके नक्शे को निर्माण करते समय इस बात पर विशेष शोध किया गया है कि खेल दुर्घटनाओं में तत्काल चिकित्सा कैसे मिल सके।

उन्होंने कहा कि भारत में अनेक प्रतियोगिताओं को एक अवसर मिले, वनवासी भाइयों को सुविधा व अवसर मिले ऐसी कल्पना इस एकेडमी को लेकर के बनी है।

कार्यक्रम के समापन में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी श्री संजीव पाठक जो स्पोर्ट्स एकेडमी निर्माण में हर सहयोग हेतु तत्पर रहने वाले ने कहा कि आज इस पवित्र अवसर पर यहाँ उपस्थित सभी सज्जनों को देखकर भाव विभोर हो रहा हूँ। कानपुर में विश्व स्तर का एक अत्याधुनिक सुसज्जित स्पोर्ट्स एकेडमी निर्मित होगा, ऐसी कल्पना करके ही मन आनंदित हो रहा है। श्री संजय पाठक ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013